

15  
18

पञ्चावली कर्मण्य कौश्ल चिन्तना में प्रवेश  
प्रथम प्रयोग पर प्रवेश कर्म सुधारण बाद  
स्वास्ति का कर्म लिया है इसीलिए प्रयोग  
पर के यज्ञ के का कर्म सुधारण नहीं है  
प्रयोग पर स्वास्ति किया जाता है पञ्चावली  
मूलक सुधारण कर्मण्य से का के कर्म  
कर्मण्य के सुधारण बाद है । ॥ १ ॥